वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 247 | शनिवार 24 जनवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में रिझाएगी राजस्थान की झांकी

फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखा बीकानेर की उस्ता कला का प्रदर्शन

जयपुर. कासं

नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष प्रदेश के बीकानेर की विश्वविख्यात उस्ता कला को केन्द्र में रखकर तैयार की गई राजस्थान की झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को आयोजित गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल में राजस्थान की झांकी ने अपनी विशिष्ट शिल्पकला, सांस्कृतिक वैभव और जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। झांकी के डिजाइनर एवं पर्यवेक्षक हर शिव कुमार शर्मा ने बताया कि कर्तव्य पथ पर शुक्रवार को राजस्थान मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श विषयक राजस्थान की झांकी के अग्र भाग में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य रावणहट्टा का वादन करते कलाकार की 180 डिग्री घूमती प्रतिमा प्रदर्शित की गई है। इसके दोनों ओर उस्ता कला से सजी सुराही, कुप्पी और दीपक आकर्षक फ्रेमों में लगाए गए हैं। झांकी का यह भाग लगभग 13 फीट ऊँचा है। उन्होंने बताया कि ट्रेलर भाग में उस्ता कला से अलंकृत घूमती हुई पारंपरिक कुप्पी तथा हस्तशिल्प पर कार्य करते कारीगरों के दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं, जो इस कला की जीवंत परंपरा को दर्शाते हैं। पृष्ठभाग में विशाल ऊँट और ऊँट सवार की प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति एवं लोक जीवन का सशक्त प्रतीक है। दोनों ओर उस्ता कला से सजे मेहराबों में पत्तेदार स्वर्ण कारीगरी के उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रदर्शित किए गए हैं। शर्मा ने बताया कि झांकी के चारों ओर गैर लोक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकारों ने राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। कुल मिलाकर यह झांकी पारंपरिक कला, लोक संस्कृति और शाही विरासत का सजीव संगम बनकर सामने आई। राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस झांकी का निर्माण राज्य की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता तथा उप सचिव अनुराधा गोगिया के मार्गदर्शन में किया गया है।

राज्यभर में रोडवेज बस स्टेण्डस और सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में खुलेंगे सरस आउटलेट्स

जयपुर। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन और इससे जुड़े जिला दुग्ध संघ इन दिनों लोकल फॉर लोकल के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में गम्भीरता से जुटे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन आपणों अग्रणी राजस्थान के तहत राज्यभर के सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालय परिसरों, शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों में सरस के आउटलेट्स खोले जा रहे हैं। जयपुर में जवाहर लाल नेहरु मार्ग स्थित सरस पार्लर, सचिवालय और आरटीडीसी के नाहरगढ़ स्थित पड़ाव रेस्टोरेंट पर सफल प्रयोग के बाद आरसीडीएफ इस योजना के विस्तार पर गम्भीरता से काम कर रहा है। इन स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्तायुक्त सरस दूध एवं दूध से बने उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। आरसीडीएफ की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि आरसीडीएफ की राज्य के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालय परिसर में सरस आउटलेटस खोलने की योजना है। आरसीडीएफ द्वारा एसएमएस हॉस्पीटल और राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के साथ एमओयू किया जा चुका है और बहुत जल्दी कुछ अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों से भी एमओयू किया जायेगा। उन्होंने बताया कि यह योजना वोकल फॉर लोकल के संकल्प को धरातल पर उतारने का सशक्त उदाहरण है जो स्थानीय उत्पादन, स्थानीय रोजगार और स्थानीय उपभोग के माध्यम से राज्य की सहकारी डेयरी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएगी।

सशक्त बेटी-समृद्ध भारत विषय पर निम्स विश्वविद्यालय में सेमिनार व मैराथन का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में निम्स विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एवं जनसंचार पत्रकारिता विभाग तथा राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में 'सशक्त बेटी-समृद्ध भारत' विषय पर सेमिनार एवं मैराथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के सम्मान, शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान पुलिस की एडिशनल डीसीपी सु सुनीता मीणा उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष नायर ने अपने संबोधन में कहा कि बालिकाओं को समान अवसर, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना ही समृद्ध भारत की आधारशिला है। राखी राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि आज की बालिकाओं को सोशल मीडिया का सकारात्मक और सुरक्षित उपयोग करना चाहिए तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी रखकर उनका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने डिजिटल जागरूकता को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक आवश्यक कदम बताया। मुख्य अतिथि एडिशनल डीसीपी सुनीता मीणा ने निर्भया स्क्वाड के नवाचारों की जानकारी देते हुए साइबर क्राइम एवं ऑनलाइन हैरेसमेंट (उत्पीड़न) से बचाव के लिए लाइव डेमो प्रस्तुत किया। साथ ही, उन्होंने राजस्थान पुलिस ऐप के माध्यम से आपातकालीन सहायता एवं शिकायत प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. मेघेंद्र शर्मा (संगठन सचिव, विज्ञान भारती) ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नई शिक्षा नीति के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय मूल्यों के साथ आधुनिक शिक्षा का बेहतर समन्वय स्थापित करती है। सेमिनार के साथ ही आयोजित मैराथन में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 'सशक्त बेटीझसमृद्ध भारत' के संदेश के जरिए समाज को जागरूक किया। अंत में प्रो. वाइस चांसलर डॉ. सुरेश सोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया और उपस्थित जनसमूह को बालिका जागरूकता के लिए शपथ दिलवाई। इस अवसर पर डॉ. अनुपमा पांडे, डॉ. सरिका ताखर, डॉ. सुनीत शर्मा, प्रो. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक वैष्णव, डॉ. दिव्या पारीक, कुश शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

गिरनारजी में प्रथम बार होगा राष्ट्रीय प्राकृत भाषा विद्वत्संवाद एवं राष्ट्रीय अधिवेशन

आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज के सान्निध्य में पत्रिका का विमोचन

औरंगाबाद/गिरनार. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ स्वामी की निर्वाण स्थली गिरनारजी में प्रथम बार प्राकृत भाषा को समर्पित एक राष्ट्रीय स्तर का महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक आयोजन होने जा रहा है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) एवं प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय प्राकृत भाषा विद्वत्संवाद', प्रा.भा.वि.फा. राष्ट्रीय अधिवेशन तथा पुरस्कार समर्पण समारोह का आयोजन 28 से 30 जनवरी 2026 तक श्री समवशरण मंदिर (विश्व शांति निर्मल ध्यान केन्द्र) में किया जाएगा। इस गरिमामयी आयोजन को प्राकृताचार्य श्री 108 सुनीलसागरजी महाराज ससंघ का पावन सान्निध्य प्राप्त होगा। विद्वत्संवाद का केंद्रीय विषय 'भारतीय भाषाएं एवं प्राकृतः भारतीय ज्ञान परम्परा के संदर्भ में' निर्धारित किया गया है।

तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखाः

28 जनवरीः प्रातः 8:00 से 10:30 बजे उद्घाटन सत्र, इसके बाद दोपहर 1:00 से 5:00 बजे और सायं 7:00 से 9:00 बजे तक विद्वत्संवाद के विभिन्न सत्र होंगे।

29 जनवरीः प्रातः एवं दोपहर में विद्वत्संवाद सत्र तथा सायं 7:00 से 9:00 बजे प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होगा।

30 जनवरीः प्रातः 8:00 से 10:30 बजे विद्वत्संवाद एवं पुरस्कार समर्पण समारोह, तथा दोपहर 1:00 से 4:00 बजे समापन समारोह संपन्न होगा।

प्रमुख आयोजक एवं संरक्षकः आयोजन के शिरोमणि संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी हैं। स्वागताध्यक्ष के रूप में अहमदाबाद का सौभाग्यमल-राजेन्द्र कुमार कटारिया परिवार अपनी सेवाएँ दे रहा है। परम संरक्षक के रूप में ब्र. सुमति भैयाजी (अधिष्ठाता, विश्वशांति निर्मल ध्यान केन्द्र), श्री अजितजी कासलीवाल (सेलम) एवं श्री पारस जैन बज (अध्यक्ष, गुजरात अंचल तीर्थक्षेत्र कमेटी) मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के निदेशक प्रो. लोकमान्य मिश्र द्वारा की जाएगी। समन्वय समिति में डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन, डॉ. प्रभातकुमार दास एवं डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन कार्य को गति प्रदान कर रहे हैं। आयोजन का संयोजन डॉ. आशीष जैन 'आचार्य' (शाहगढ़, सागर) एवं डॉ. आशीष जैन शास्त्री (बम्हौरी) द्वारा किया जा रहा है।

लोकार्पण एवं विमोचनः दिनांक 22 जनवरी 2026 को आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज के सान्निध्य में विद्वत्संवाद के पोस्टर, पत्रिका एवं फ्लेक्स का विमोचन किया गया। इस पत्रिका का संपादन अधिवेशन के सह-संयोजक पं. श्री रमेशचन्द जैन शास्त्री (अहमदाबाद) द्वारा किया गया है। यह आयोजन न केवल प्राकृत भाषा के विमर्श को नई दिशा देगा, बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण में भी मील का पत्थर सिद्ध होगा।

– नरेंद्र अजमेरा, पीयूष कासलीवाल (औरंगाबाद)

सीए फर्म के नए कार्यालय का भक्ति संध्या के साथ भव्य शुभारंभ

प्रेरणास्रोत पिता से उद्घाटन कराकर दिया गया माता-पिता को सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर जयपुर की प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फर्म 'जैन पारस बिलाला एंड कंपनी' के 6,500 वर्ग फीट में फैले विशाल नए कार्यालय का सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व संध्या पर आयोजित एक भक्ति संध्या से हुई। फर्म के भागीदार सीए खितेश शर्मा एवं मनोज अग्रवाल ने बताया कि कार्यालय का उद्घाटन समाज गौरव और प्रेरणास्रोत पदम जैन बिलाला के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर फर्म के मुख्य नाम पट्ट का अनावरण केंद्रीय पदाधिकारी सीए

रोहित रुवातिया एवं सीए सतीश गुप्ता द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह की खास बात यह रही कि फर्म के भागीदारों ने अपने माता-पिता और अभिभावकों को विशेष सम्मान देते हुए उन्हें इस गौरवमयी पल का साक्षी बनाया। फर्म के भागीदार अशोक जैन ने जानकारी दी कि वर्तमान में फर्म की पूरे भारत में 14 शाखाएँ सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। उद्घाटन समारोह में जयपुर के प्रमुख सनदी लेखाकार सतीश झवर, विकास गुप्ता, के.के. बाकीवाला, गौतम शर्मा, सचिन जैन सहित कई बैंक अधिकारी, उद्यमी और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह की पूर्व संध्या पर आयोजित भक्ति संध्या में प्रसिद्ध गायिका साक्षी जैन ने अपनी सुरीली आवाज में भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को धर्ममय बना दिया। सभी आगंतुकों ने फर्म की इस नई उपलब्धि और आधुनिक कार्यालय की सराहना की।

लीनेस क्लब जयपुर एंजेल का शपथ ग्रहण समारोह लॉर्ड्स होटल में संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब जयपुर एंजेल का वार्षिक शपथ ग्रहण समारोह शहर के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स होटल में गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। क्लब की मेंटर व निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष लीनेस भाग्यश्री माथुर (संभावित सही नाम, आपके टेक्स्ट में 'स्वग्रही माओ' लिखा है, कृपया जाँच लें) ने बताया कि समारोह में लीनेस प्रांत फ्ट1 'स्वयंसिद्धा' की पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ऊषा भंडारी ने नई कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान निम्नलिखित पदाधिकारियों ने अपने पद की शपथ ली:

अध्यक्ष: लीनेस सुप्रिया जैन
सचिव: शिल्पा मोटवानी
कोषाध्यक्ष: भानु नैनवानी
उपाध्यक्ष: मोहना पाडलिया
सलाहकार: डिम्पल जैन, कुमुद गौड़, नूपुर जैन और कल्पना बैद

कार्यकारिणी सदस्य: अंजू जैन, अंजलि मित्तल, सुविधा जैन, रीना शर्मा, शकुंतला पंड्या और रीमा गोधा।

प्रेरक संबोधन और सेवा कार्य: कार्यक्रम की मुख्य अतिथि 'बैंड बाजा बारात' और 'ड्रीम अचीवर्स क्लब' की फाउंडर प्रीती गोयल ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज सेवा के साथ-साथ महिलाओं को स्वयं के व्यक्तित्व विकास के लिए भी समय निकालना चाहिए। क्लब अध्यक्ष सुप्रिया जैन ने सभी अतिथियों का माला पहनाकर और उपहार भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को एक माह का सूखा राशन व अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। नए सदस्यों का परिचय और सदस्यता की शपथ निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा करवाई गई।

उपलब्धियां और सम्मान: निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना बैद ने पिछले वर्ष की क्लब की उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रांत से प्राप्त अवार्ड्स को प्रदर्शित किया। उन्होंने अपनी टीम के सहयोगी सदस्यों को उपहार देकर सम्मानित भी किया।

मनोरंजन और थीम: कार्यक्रम संयोजिका शिल्पा, भानू और डिम्पल जैन ने बताया कि समारोह की थीम 'ब्लैक एंड व्हाइट रेट्रो' रखी गई थी। इस थीम पर सजी सदस्यों ने रैंप वॉक और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में कुमुद गौड़, रीना शर्मा, सुविधा, मेघना और शकुंतला विजेता रहीं, जबकि वंशिका को 'रेट्रो क्वीन' चुना गया। कार्यक्रम का सफल संचालन नूपुर जैन ने किया।

वेद ज्ञान

चिन्ता से बचिए

आजकल विश्व की संभवतः सबसे प्रमुख व्यक्तिगत समस्या है चिन्ता। प्रायः सभी स्त्री-पुरुष भली-भांति जानते हैं कि चिन्ता करना हानिकारक है लेकिन फिर भी चिंतित रहते हैं। यह देखा गया है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अधिक चिंताग्रस्त रहती हैं। कभी गृहस्थी की चिंता, तो कभी रोटी की चिंता, कभी इसकी चिंता कभी उसकी, कभी गंभीर चिंता तो कभी सामान्य चिंता अर्थात चिन्ता उन्हें किसी न किसी रूप में घेरे रहती है। चिंता हमारी शक्तियों का ह्रास करती है, विचारों को भ्रांत बनाती है तथा स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। जिस समय हम चिंता कर रहे होते हैं उस समय हमारे सोचने समझने की शक्ति क्षीण हो जाती है क्योंकि चिंता एकाग्रता को खत्म करती है। जब हम चिंतित रहते हैं तो हमारे विचार सर्वत्र भटकते रहते हैं और हम निर्णय करने की शक्ति से हाथ धो बैठते हैं। अक्सर हमारी चिंताएं किसी न किसी प्रकार की मूर्खतापूर्ण कल्पनाओं से भरी होती हैं। हम अपना जीवन बहुत सी ऐसी बातों की चिंता में व्यतीत करते हैं जो वास्तव में कभी नहीं होती। यदि ध्यान से सोचें तो आपको स्मरण हो जाएगा कि अपने जीवन की किसी महत्वपूर्ण घटना से पूर्व आपका मन कई दिनों या कई महीनों तक बेचैन रहा था जैसे परीक्षा परिणाम से पूर्व, किसी पद ग्रहण करने से पहले या फिर कोई महत्वपूर्ण कार्य करने से पहले। उस समय आपको यही आशंका घेरे रहती है कि कहीं आपका अनुमान गलत न हो जाए अथवा कहीं आप असफल न हो जाएं। उस समय उस आशंका, चिंता या भय के कारण आपका मन भारी-भारी रहता था, आप अपने को अस्वस्थ, अप्रकृत अनुभव करते थे किन्तु उस समय आपने इस सत्य पर विचार नहीं किया था कि वह आशंका का भूत आपके अपने ही मन की रचना थी। इस प्रकार अनेक महिलाएं अपने ही मन की पैदा की हुई चिंताओं से कष्ट पाती रहती हैं और अपना जीवन बर्बाद कर लेती हैं। यदि आप चिन्ता से दूर रहना चाहते हैं तो आज की परिधि में रहिए। भविष्य की चिंता मत कीजिए। रोज नयी जिंदगी का श्रीगणेश कीजिए। स्मरण रखिये कि आजवही कलहै जिसकी आपने कल चिंता की थी। अनेक चिंताएं समय बीतने पर स्वतः ही हल हो जाया करती हैं, अतः चिंता करना व्यर्थ है। चिंता निवारण का एक सरल उपाय है कि व्यस्त रहा कीजिए ताकि चिंता का अवसर ही न मिले।

संपादकीय

रूढ़ियों की बेड़ियां टूटेंगी, तभी उड़ेगी नीली चिड़िया

प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाने वाला 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि भारतीय समाज के लिए आत्ममंथन का क्षण है। यह दिवस हमें मजबूर करता है कि हम खुद से पूछें: क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या समाज ने उन्हें 'बोझ' के बजाय 'संभावना' के रूप में स्वीकार किया है? भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में शुरू किया गया यह दिवस

बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का एक वैधानिक और सामाजिक प्रयास है। एक दौर था जब पुत्र मोह और दहेज जैसी कुरीतियों ने कन्या भ्रूण हत्या जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। हालांकि, बीते दो दशकों में सरकारी हस्तक्षेपों जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', सुकन्या समृद्धि योजना और शिक्षा के अधिकार ने स्थिति बदली है। आज बेटियां अंतरिक्ष से लेकर सैन्य सेवाओं तक अपनी धाक जमा रही हैं। यूनिसेफ और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, किसी भी राष्ट्र की आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिरता का सीधा संबंध वहां की बालिकाओं की स्थिति से होता है। भारत में भी बढ़ते नामांकन और विभिन्न क्षेत्रों में लड़कियों का नेतृत्व इस सकारात्मक परिवर्तन का प्रमाण है। सकारात्मकता के इस शोर के बीच एक भयावह यथार्थ भी खड़ा है। एनसीआरबी और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें चौंकाने वाली हैं। वर्ष 2023 के वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, लगभग 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 प्रतिशत मामलों में अपराधी परिवार के सदस्य या करीबी थे। भारत में स्थिति और भी जटिल है क्योंकि यहाँ अपराध के साथ-साथ 'पीड़िता को दोष देने' की मानसिकता जुड़ी है। साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न और मानव तस्करी के बढ़ते मामले बताते हैं कि कानून तो बने हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना अब भी कोसों दूर है। अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी लैंगिक हिंसा का होना यह सिद्ध करता है कि यह केवल गरीबी की नहीं, बल्कि एक गहरी मानसिक विकृति की समस्या है। सशक्तिकरण केवल नारों या योजनाओं से नहीं आता। यह तब आता है जब परिवार अपनी बेटियों को 'पराया धन' नहीं, बल्कि 'भविष्य की आधारशिला' समझें। समाज लड़कियों की पसंद और उनके निर्णय लेने की स्वतंत्रता का सम्मान करे। प्रशासन न्याय प्रक्रिया में तेजी लाए ताकि अपराधियों में भय और बालिकाओं में विश्वास पैदा हो। हमें बालिकाओं को दया या सहानुभूति की नहीं, बल्कि समान अधिकार और सम्मान की दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। लैंगिक भेदभाव जन्म से शुरू होकर जीवन के हर पड़ाव पर लड़कियों का पीछा करता है, जिसे केवल शिक्षा और जागरूक पालन-पोषण से ही काटा जा सकता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस की सार्थकता उत्सव मनाने में नहीं, बल्कि ठोस सामाजिक संकल्प लेने में है। जब समाज बदलेगा, तभी बेटियां निडर होंगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हनी ट्रैप: भय, बदनामी और अपराध का संगठित जाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में हनी ट्रैप के जरिए आम नागरिकों को फंसाकर ब्लैकमेल करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश न केवल एक आपराधिक नेटवर्क का खुलासा है, बल्कि समाज के भीतर गहराते भय, चुप्पी और बदनामी की मानसिकता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह मामला दर्शाता है कि किस तरह मानवीय कमजोरियों, सामाजिक संकोच और कानूनी डर का इस्तेमाल कर कुछ गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से बर्बाद कर रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस गिरोह में शामिल कुछ महिलाएं योजनाबद्ध ढंग से आम नागरिकों से संपर्क साधती थीं, उनसे दोस्ती और भावनात्मक नजदीकी बढ़ाती थीं, फिर उन्हें आपत्तिजनक परिस्थितियों में फंसा कर झूठे दुष्कर्म, अपहरण, मारपीट या अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलती थीं। यह कोई आकस्मिक अपराध नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत संचालित संगठित अपराध था। जांच एजेंसियों के अनुसार इस गिरोह की कार्यप्रणाली बेहद सुनियोजित और चरणबद्ध थी। पहले चरण में आरोपी महिलाएं सोशल मीडिया, फोन कॉल या व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से संभावित शिकार से दोस्ती करती थीं। धीरे-धीरे भावनात्मक या व्यक्तिगत नजदीकी बढ़ाई जाती थी, जिससे पीड़ित को किसी खतरे का आभास न हो। दूसरे चरण में पीड़ित को ऐसी स्थिति में ले जाया जाता था, जहां उसके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री या परिस्थितियाँ बनाई जा सकें। इसके बाद तीसरे और सबसे खतरनाक चरण में शुरू होता था भय का खेल-झूठे मुकदमों, पुलिस कार्रवाई, सामाजिक बदनामी और परिवार की प्रतिष्ठा पर आंच की धमकियों के जरिए ब्लैकमेलिंग। कई मामलों में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिलाएं अकेली नहीं थीं। उनके पति, प्रेमी या अन्य पुरुष सहयोगी इस पूरे षड्यंत्र में सक्रिय भूमिका निभाते थे-कभी धमकी देने वाले बनकर, कभी फर्जी गवाह के रूप में और कभी कथित अपहरण या मारपीट की कहानी रचने में सहायक बनकर। पुलिस के अनुसार इन मामलों में ब्लैकमेलिंग, अवैध रूप से बंधक बनाना, अपहरण, मारपीट, लूट और आपराधिक षड्यंत्र जैसी गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। यह स्पष्ट करता है कि यह अपराध केवल नैतिक या सामाजिक दायरे तक सीमित नहीं, बल्कि विधि व्यवस्था के लिए सीधी चुनौती है। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ आरोपी महिलाएं पहले भी हनी ट्रैप के मामलों में जेल जा चुकी हैं, जबकि कुछ के खिलाफ अन्य आपराधिक प्रकरण अभी अनुसंधान के अधीन हैं। इसका अर्थ यह है कि यह अपराध किसी एक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय एक नेटवर्क का हिस्सा है, जो बार-बार नए शिकार तलाशता रहा। इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अधिकांश पीड़ित सामाजिक बदनामी के भय से लंबे समय तक सामने नहीं आए। भारतीय समाज में आज भी व्यक्तिगत संबंधों, नैतिकता और इज्जत को लेकर गहरी संवेदनशीलता है। इसी मानसिकता का लाभ उठाकर ऐसे गिरोह लोगों को चुप रहने पर मजबूर कर देते हैं। पीड़ित यह सोचकर डरते हैं कि यदि उन्होंने पुलिस से संपर्क किया तो समाज, परिवार या कार्यस्थल पर उनकी छवि खराब हो जाएगी। इसी डर का इस्तेमाल कर आरोपी बार-बार रकम वसूलते रहे। कई मामलों में पीड़ितों से लाखों रुपये तक की उगाही की गई, फिर भी धमकियों का सिलसिला खत्म नहीं हुआ। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि ऐसे मामलों में चुप्पी अपराधियों को और मजबूत करती है।

पद्मावती पब्लिक स्कूल में माँ सरस्वती पूजन एवं बसंत पंचमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में आज बसंत पंचमी का पर्व अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी बसंती (पीली) पोशाक धारण कर विद्यालय पहुँचे, जिससे पूरा परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती हेमलता जैन द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, विधिवत पूजन एवं आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या ने विद्यार्थियों को बसंत पंचमी के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह पावन पर्व ज्ञान, कला और संगीत की देवी माँ सरस्वती को समर्पित है, जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का संदेश देता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती की वंदना की और उनसे संबंधित दोहों का सस्वर पाठ किया। नन्हे विद्यार्थियों द्वारा दी गई सुंदर नृत्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की इन भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह का संचार कर दिया।

पूरा आयोजन भक्तिमय और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। इस उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं के प्रति सम्मान और संस्कारों का भाव जागृत किया गया।

गणतंत्र की 75वीं वर्ष गांठ पर, ये ही राष्ट्र के आभूषण हैं

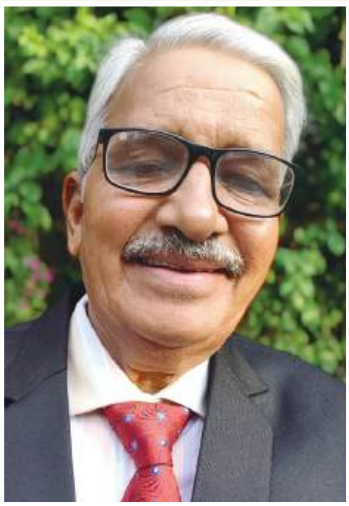

इंजी. अरुण कुमार जैन

जल,थल,नभ में रहते प्रतिपल,सीमा की रक्षा करते,
आँख उठी जिसकी इस भू पर, उसके प्राणों को हरते,
देह गला दे सर्दी ऐसी, तन झूलसा दे गर्मी ऐसी,
आठ प्रहर का कोई भी हो पल, सदा सजग सीमा पर यह बल.
उन्हें नमन हैं कोटि हमारे, भारत माँ के पूत ये प्यारे.
पावन,पुण्य स्मरण उनका
प्रतिदिन,पल-पल हम करते। आँख उठी...

**

भारत के खेतों में सोना, श्रमार्पण से उगाते हैं,
पथरीली कठोर धरती से,
अन्न प्रभु उपजाते हैं,
देह बनी है इनकी पिंजर, तन पर वस्त्र नहीं रहते,
आभावों में स्वयं रहकर भी, पेट देश का ये भरते,
ये भी माँ के प्यारे सुत हैं,
देश भक्ति ही ये करते,
भारत भू के हर किसान को, कोटि नमन हम सब करते। आँख उठी...

***

कल यंत्रो के घने शोर में, गर्मी, सर्दी लगे देह में,
आग उगलती भट्टी पल पल, सूरज तपता सिर के ऊपर,
हर वांछित उत्पादन करते,
जीवन सबका सुखमय करते,
पैर का जूता फटा हुआ है,
हाथ चोट से भरा हुआ है,
कालिख, धूल,पसीना दिनभर,काया पर रहता जीवन भर,
देश भक्त मैं कहता इनको,
हम सबकी चिंता हरते,
भारत के सब मजदूरों को, कोटि नमन हम सब करते। आँख उठी....

***

अतल,गहन गहराई जाकर,
तांबा, कोयला, हीरे लाकर,
सूर्य प्रकाश कभी नहीं दिखता, ऐसा इनका जीवन रहता,
बिजली वैभव सब हम पाते, कष्ट इन्हीं के हिस्से आते.
देह शुष्क व कंठ खुश्क है,
बीमारी से कई ग्रस्त है,
राष्ट्र प्रगति ही लक्ष्य हृदय में, समृद्धि देश की इनके मन में,
देश भक्त ये पुत्र हैं माँ के, समृद्धि के सूत्र यहाँ से,
खान, खनन मजदूरों को, कोटि नमन हम सब करते आँख उठी..

**

कश्मीर से भू केरल तक, व ओखा से अरुणाचल तक,
जहाँ कोई भी श्रम करता है, राष्ट्र प्रगति में रत रहता है,
कर्तव्य, निष्ठा जिसका धन है,राष्ट्र समर्पण आभूषण है.
गाँव, गली या किसी नगर में, हिन्दू, मुस्लिम, सिख के घर में,
वे सब माँ के दिल में रहते,
देश भक्त हम उनको कहते.
शून्य, शिखर सा कोई भी हो, नमन उन्हें शत शत करते.
भारत भू के हर किसान को, इस सीमा के हर जवान को, हर श्रमिक भाई व माँ बहिनों को, लगे राष्ट्र निर्माण में हैं जो, कोटि नमन हम सब करते. वंदन, अभिनन्दन करते।

महावीर पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बसंत पंचमी

ज्ञान की देवी माँ सरस्वती का पूजन और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दी गई श्रद्धांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित महावीर पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को बसंत पंचमी का पावन पर्व श्रद्धा, उल्लास एवं सांस्कृतिक भव्यता के साथ मनाया गया। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व ज्ञान, विद्या, कला एवं संगीत की देवी माँ सरस्वती के प्राकट्य दिवस के रूप में समर्पित रहा। इसी अवसर पर विद्यार्थियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में उनके शौर्यपूर्ण जीवन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान पर प्रभावशाली भाषण भी दिए।

पौराणिक महत्व और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ: कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने एक ज्ञानवर्धक नाटक प्रस्तुत किया, जिसके माध्यम से बताया गया कि सृष्टि के प्रारंभ में व्याप्त नीरवता को दूर करने के लिए ब्रह्मा जी के आह्वान पर माँ सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। उनके हाथों में सुशोभित वीणा, पुस्तक और माला को संगीत, ज्ञान और साधना के

प्रतीक के रूप में दर्शाया गया।

पीत वर्ण से सराबोर हुआ विद्यालय परिसर: इस पावन अवसर पर प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं के छात्र-छात्राएं पीले वस्त्र धारण कर विद्यालय पहुँचे। विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती को पीले पुष्प अर्पित कर ज्ञान और सद्बुद्धि की कामना की। विद्यालय परिसर को पीले फूलों की आकर्षक रंगोली से सजाया गया, जो बसंत के आगमन का संदेश दे रही थी।

विविध कार्यक्रम और संदेश: समारोह में सरस्वती वंदना, भजन, नाटक और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा जैन ने सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि माँ सरस्वती सभी को विवेक और अनुशासन प्रदान करें। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। अंत में, बसंत ऋतु के आगमन और प्रकृति में होने वाले सकारात्मक परिवर्तनों की चर्चा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन ज्ञान, संस्कृति और प्रकृति के प्रति प्रेम का एक सुंदर संगम सिद्ध हुआ।

गुणस्थली चकवाडा में शांतिनाथ महामंडल विधान का भव्य आयोजन

फागी. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन आराधना केन्द्र, अतिशय क्षेत्र गुणस्थली चकवाडा में शुक्रवार को शांतिनाथ महामंडल विधान का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में जैन समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सुख-समृद्धि की कामना के साथ अर्घ्य समर्पण: जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने जानकारी दी कि इस विधान का आयोजन प्रसिद्ध समाजसेवी एवं गुणस्थली के अध्यक्ष श्री विमलकुमार-प्रेमचंद बडजात्या परिवार (मरवा वाले, मदनगंज-किशनगढ़) द्वारा किया गया। विधान का संचालन पंडित मनीष गोधा के कुशल निर्देशन में हुआ। मंत्रोच्चारण के बीच विधान मंडल पर 120 श्रीफल (नारियल) और अर्घ्य समर्पित कर विश्व शांति, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। इस

अनुष्ठान में कुल 51 पूज्यार्थियों ने सहभागिता कर धर्म लाभ अर्जित किया।

प्रातःकालीन धार्मिक अनुष्ठान: क्षेत्र के संरक्षक अशोक अनोपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल गुणसागर महाराज की समाधि के दर्शन के साथ हुआ। इसके पश्चात शांतिनाथ आराधना केन्द्र में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा और अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना की गई। विशेष रूप से सजाए गए विधान मंडल पर भक्तिमय वातावरण में पूजा संपन्न हुई।

गणमान्य जनों की उपस्थिति: इस अवसर पर बडजात्या परिवार के पन्नालाल, राजकुमार, महावीर प्रसाद, विमल कुमार, प्रेमचंद, पवन कुमार, पंकज कुमार, श्रीमती शांति देवी, शांति जैन, रेखा जैन, अक्षत और दिव्यम सहित पूरा परिवार मौजूद रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रसिद्ध समाजसेवी एवं भामाशाह निर्मल-पुष्पा बिन्दायका (कोलकाता), क्षेत्र के संरक्षक अशोक जैन अनोपड़ा (जयपुर), निर्मल पांड्या, राजकुमार बडजात्या, संजय पाटनी (विजयनगर), महेंद्र कासलीवाल (फागी), विमल कुमार पाटनी (मदनगंज किशनगढ़), कमल सोगानी (दूदू), नवीन गंगवाल (चकवाडा), पवन बडजात्या एवं राजाबाबू गोधा सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

– राजाबाबू गोधा (मीडिया प्रवक्ता, जैन महासभा)

सिद्धचक्र महामंडल विधान का विश्व शांति महायज्ञ के साथ भव्य समापन

गिरारगिरी तीर्थ पर बनेगी भव्य चौबीसी, मुनिश्री की प्रेरणा से 24 पुण्यार्जकों ने ली स्वीकृति

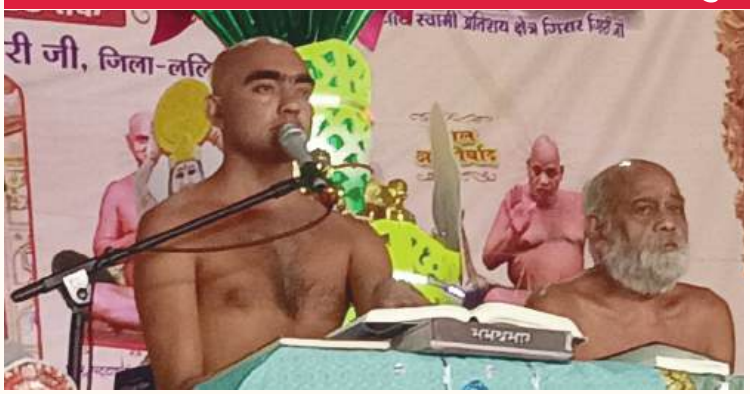

ललितपुर/मड़ावरा. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गिरारगिरी जी में 16 से 23 जनवरी 2026 तक आयोजित आठ दिवसीय 25 मंडलीय 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं भव्य रथोत्सव का शुक्रवार को अगाध श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ समापन हुआ। आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री समत्वसागर जी एवं मुनि श्री शीलसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित इस महोत्सव के अंतिम दिन श्रद्धालुओं का सैलाव उमड़ पड़ा।

विश्व शांति महायज्ञ और रथोत्सव

प्रचार मंत्री डॉ. सुनील संचय के अनुसार, अंतिम दिन प्रातः बेला में भगवान के अभिषेक, शांतिधारा और नित्यमह पूजन के पश्चात विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने विश्व में शांति, सद्भाव और अहिंसा की स्थापना की मंगल भावना के साथ आहुतियाँ समर्पित कीं। दोपहर 1:30 बजे से भगवान श्रीजी का भव्य रथोत्सव निकाला गया। गाजे-बाजे और जयकारों के साथ निकली इस नगर परिक्रमा में मुनिश्री ससंघ सहित सैकड़ों श्रद्धालु और स्वयंसेवी संगठन सहभागी बने। विधान की समस्त शास्त्रोक्त विधियाँ विधानाचार्य पं. मनोज शास्त्री (बगरोही), पं. देवेंद्र शास्त्री (मड़ावरा) एवं विकर्ष शास्त्री द्वारा सम्पन्न कराई गईं। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज ने कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान मात्र एक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि का विज्ञान है। उन्होंने तीर्थ निर्माण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो व्यक्ति तीर्थ के निर्माण में सहभागी बनता है, वह अपने पुण्य का संचय कर अपनी आत्मा के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

महोत्सव की सबसे बड़ी उपलब्धि क्षेत्र पर 24 तीर्थंकरों की भव्य चौबीसी निर्माण की घोषणा रही। मुनिश्री की प्रेरणा से मात्र कुछ ही क्षणों में 24 परिवारों ने चौबीसी निर्माण का सौभाग्य प्राप्त करने की स्वीकृति प्रदान की। इनमें शांत कुमार-कमलेश शास्त्री परिवार, देवेंद्र जैन-विनय जैन परिवार, विनोद-विशाल चंदेरिया परिवार, सुनील-प्रीति जैन परिवार, सुरेश-संध्या जैन परिवार, प्रकाश चंद-राहुल जैन परिवार, राजेंद्र-दीप्ति जैन परिवार, मुकेश-शशि जैन परिवार, सुनील (मोनू)-नेहा बाम ए.पी. स्पेशल परिवार (बरायठा), डॉ. बालचंद-सनत कुमार मड़ावरा, संतोष-अनिल (रानू) परिवार, उदयचंद शास्त्री (सागर), राजकुमार-चंदा जैन (मड़ावरा), प्रदीप-निधि जैन (मड़ावरा), ताराबाई-प्रवीण जैन (चक्की वाले), चक्रेश-शशिप्रभा जैन (बेरिया), पी.सी. जैन (पूर्व डीएसपी)-डॉ. श्रेणिक जैन (सागर), माणिकचंद-विनोद-आशिष (मड़ावरा), रतनचंद-जिनेंद्र जैन (गोना), रविन्द्र-आसमा जैन (सागर), हरिश्चंद (मुन्ना)-आशिष (डिग्गी) बरायठा, संदीप-अरुण कुमार सेठ (गिरार), विजय कुमार फुटेरा एवं श्रीमती इंद्रा-अभिषेक (दीपू) मड़ावरा परिवार शामिल हैं। आयोजन के सफल संचालन के लिए क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष चक्रेश जैन, महामंत्री प्रदीप जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघई और आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सभी सहयोगियों, उप-समितियों एवं स्वयंसेवी संगठनों का सम्मान किया। इस अवसर पर शास्त्री परिषद के महामंत्री ब्र. जयकुमार 'निशान्त' जी ने भी विचार व्यक्त किए। महोत्सव संपन्न होने के उपरांत मुनिश्री ससंघ का मंगल विहार अतिशय क्षेत्र कारीटोरन जी की ओर हो गया। समापन के अवसर पर मड़ावरा, महरौनी, सागर, टीकमगढ़, इंदौर और ललितपुर सहित कई क्षेत्रों के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आदर्श महिला महाविद्यालय में बसंत पंचमी महोत्सव की धूम, मेधावी छात्राएं सम्मानित

राज्य एवं जिला स्तर पर सर्वाधिक अंक लाने वाली छात्राओं का हुआ अभिनंदन

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

कस्बा स्थित श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय में गुरुवार को बसंत पंचमी का महोत्सव बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्राओं ने मनमोहक नृत्य, ओजस्वी भाषण और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

प्रतिभाओं का सम्मान

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि बसंत पंचमी के पावन अवसर पर

राजस्थान बोर्ड परीक्षा में राज्य एवं जिला स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। महाविद्यालय समिति की ओर से इन मेधावी छात्राओं को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए।

सम्मानित होने वाली मुख्य छात्राओं का विवरण इस प्रकार है:

वरिष्ठ उपाध्यायः

शिवानी मीणाः 94% (राज्य/जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन)

विदिशा गोयलः 91%

कनिष्का मीणाः 90%

प्रवेशिकाः

शिवानी मीणाः 83%

निकुंज कुमारीः 70%

शुभलक्ष्मी जैनः 68%

गरिमामयी उपस्थितिः इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय समिति के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार शर्मा, विशेषाधिकारी घनश्याम शर्मा, बी.एड. प्राचार्य भैरो सहाय शर्मा, बीएसटीसी प्राचार्य रामदयाल गुप्ता सहित महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक स्टाफ और हजारों की संख्या में छात्राएं मौजूद थीं।

राजा ऋषभदेव ने राजपाठ त्याग कर जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण की: मुनि पुंगव सुधासागर महाराज

कलेक्टर और एसपी ने लिया मुनिश्री का आशीर्वाद; गोलाकोट तीर्थ में उमड़ा जनसैलाब

अशोकनगर/गोलाकोट. शाबाश इंडिया

तीर्थोदय तीर्थ गोलाकोट में चल रहे श्रीमद् जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव, विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव के दौरान भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिल रहा है। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया के निर्देशन और मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस महोत्सव में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा।

प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया आशीर्वाद

महोत्सव के दौरान शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र सिंह चौधरी, एसपी अमन सिंह राठौर, पूर्व कलेक्टर आर.के. जैन, एसडीओपी प्रशांत शर्मा और एसडीएम ममता शाक्य ने तीर्थोदय गोलाकोट पहुँचकर मुनिश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री चौधरी ने जैन समाज के जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की और पिछोर में 100 बिस्तर के अस्पताल निर्माण में शासन के सहयोग की बात कही। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि जगत में दो तरह

के लोग होते हैं। एक वे जो अपनी जिंदगी को आनंदमय बनाते हैं और दूसरे वे जिनके जन्म लेने से सारा जगत आनंदित हो जाता है। उन्होंने कहा: मेरा मन अच्छा हो, सोच अच्छी हो, वचन और कर्म अच्छे हों, तभी जीवन सुखदायी बनता है। अच्छा व्यक्ति ध्रुव तारे की तरह चमकता है। तीर्थंकर का जन्म केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि समस्त जीवों के कल्याण के लिए होता है। मुनिश्री ने राजा ऋषभदेव के वैराग्य प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राग से वैराग्य की ओर गमन ही मोक्ष का मार्ग है। उन्होंने नीलांजना के नृत्य और उसके माध्यम से उत्पन्न वैराग्य के मर्म को समझाते हुए बताया कि कैसे देवों ने प्रभु को वैराग्य पथ पर अग्रसर करने के लिए योजना बनाई।

जैन समाज ने समर्पित की द्रव्य

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि अशोकनगर जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल और महामंत्री राकेश अमरोद के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों ने पंचकल्याणक महोत्सव हेतु द्रव्य भेंट की। इस दौरान दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रेमी, प्रवक्ता विजय धुर्रा और अन्य प्रमुख जनों ने दीप प्रज्ज्वलन किया।

धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक मंचन

प्रातः काल मंगलाष्टक के साथ महापूजन हुआ। सौधर्म इंद्र (राकेश वास्तु), कुबेर इंद्र (पीयूष जैन, दिल्ली) और महायज्ञ नायक (सत्येंद्र जैन, दिल्ली) द्वारा विश्व शांति की कामना के साथ शांतिधारा की गई। रात्रि में भगवान की बाल क्रीड़ाओं का सुंदर मंचन किया गया, जिसे देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भगवान का पालना झुलाने का सौभाग्य सत्येंद्र कुमार जैन और कुबेर इंद्र परिवार को प्राप्त हुआ।

अतिथियों का अभिनंदन

तीर्थ क्षेत्र कमेटी के संरक्षक सत्येंद्र जैन, अध्यक्ष आई.पी.एस. शांत कुमार, कार्याध्यक्ष राकेश जैन और महामंत्री डॉ. चक्रेश जैन सहित पूरी कमेटी ने प्रशासनिक अधिकारियों का भव्य अभिनंदन किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

वैभव गोवाडिया राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रीतेश वगैरिया राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

सागवाड़ा/उदयपुर. शाबाश इंडिया। फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी ने संस्था के युवा प्रकोष्ठ के सांगठनिक ढांचे का विस्तार करते हुए वैभव गोवाडिया

(सागवाड़ा) को राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है। मनोनयन के साथ ही उन्हें निष्ठा और समर्पण भाव से समाज सेवा करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति को जोड़कर समाज के समग्र विकास हेतु कार्य करने की शपथ दिलाई गई। फेडरेशन

के संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी ने वैभव गोवाडिया को देश के पांचों प्रोविंसेज–राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश तथा शेष भारत के लिए कार्यकारिणी गठन हेतु निर्देशित किया है। इसी क्रम में, राजस्थान प्रोविंस के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद पर उदयपुर निवासी सीए प्रीतेश वगैरिया को नियुक्त किया गया है। इन दोनों ही युवा पदाधिकारियों के मनोनयन से हूमड़ समाज के युवाओं में हर्ष की लहर व्याप्त है और देशभर से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं।

श्रावकों का जीवन मन-वचन-काय के संयम और रत्नत्रय धर्म से सफल होता है: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

निवाई (राजेश पंचोलिया). शाबाश इंडिया

जैन धर्म केवलज्ञान की लक्ष्मी से विभूषित है और यह हमें सर्वोच्च सिद्ध अवस्था का मार्ग दिखाता है। इसी पावन मार्ग पर चलते हुए अनंतानंत भव्य आत्माओं ने मोक्ष प्राप्त किया है। २०वीं सदी के प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने हमें जो समीचीन धर्म मार्ग दिखाया, उसे अपनाकर अनेक साधुओं ने अपना जीवन सार्थक किया है। यह मंगल देशना वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने निवाई के संत भवन में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त की। अवसर था 83 वर्षीय आर्यिका श्री शीतलमति माताजी द्वारा चारों प्रकार के आहार का त्याग कर यम संलेखना धारण करने का।

संयम और संलेखना का महत्व: आचार्य श्री ने अपने संबोधन में कहा कि जन्म और मरण तो हर जीव के साथ लगा है, लेकिन जीवन की सार्थकता सम्यक दर्शन, ज्ञान और चारित्र (रत्नत्रय) की साधना में है। उन्होंने बताया कि संयम धारण करने से ही जीवन सार्थक होता है। आर्यिका शीतलमति जी ने अपने मन को दृढ़ करते हुए आज अपने दीक्षा दिवस (बसंत पंचमी) पर आहार का पूर्ण त्याग कर यम संलेखना अंगीकार की है। संलेखना का अर्थ शरीर और कषायों को क्रश (कम) कर आत्म-कल्याण के मार्ग पर बढ़ना है। आचार्य श्री ने आगे बताया कि साधु की समाधि देखना और उनकी सेवा करना किसी तीर्थ यात्रा से कम नहीं है। उत्कृष्ट समाधि होने पर क्षपक (साधु) अगले दो से आठ भवों में निश्चित रूप से सिद्ध अवस्था को प्राप्त करते हैं।

उन्होंने श्रावकों को प्रेरित करते हुए कहा कि पूजन करने वाला ही एक दिन पूज्यता को प्राप्त होता है, इसलिए उत्साह और भक्ति के साथ धर्म पुरुषार्थ करना चाहिए।

भक्ति और क्षमा याचना

पवन बोहरा और हेमंत बाबी के अनुसार, संत भवन में आचार्य कल्प श्री श्रुत सागर जी एवं आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की उपस्थिति में भक्तों ने नृत्य और उत्साह के साथ अष्ट द्रव्यों से विशेष पूजन किया। इस दौरान आर्यिका श्री शीतलमति माताजी ने श्रीजी, आचार्य संघ और सभी साधुओं से क्षमा याचना कर परम क्षमा भाव धारण किया। कार्यक्रम में सुशील जैन सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

॥ श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः॥

पद्मपुरा

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026

श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी

एवं

पद्मबल्लभ शिखर कलश - ध्वजारोहण महामहोत्सव

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
पद्मपुरा (बाड़ा) जयपुर, राजस्थान

: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि
पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज
ससंघ

: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ

प्रतिष्ठाचार्य : पं. हँसमुख जी जैन (धरियावद) राज.

: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका
105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी
ससंघ

पधारो पद्मपुरा बाड़ा

जहां धर्म की ज्योति प्रज्ज्वलित होती है

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में इन्द्र एवं अन्य पात्र बनने के लिए सम्पर्क करें।

| सुधीर कुमार जैन 'एडवोकेट' 94140 50432 | हेमन्त सौगानी 'एडवोकेट' 98290 64506 | राजकुमार कोठ्यारी 94140 48432 |

निवेदक

पद्मपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति

अन्तर्गत : प्रबन्ध समिति, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मपुरा (बाड़ा), जयपुर, राजस्थान

सकल दिगम्बर जैन समाज पद्मपुरा एवं जयपुर (राजस्थान)

महोत्सव कार्यालय : एच-24, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302 001 | मोबाईल नम्बर : 94140 48432, 98290 64506
क्षेत्रीय कार्यालय : बाड़ा पदमपुरा जयपुर 303 903 | मोबाईल नम्बर : 90579 03365

एसपी दीपक सहारण ने नशा छोड़ चुके चार युवकों को 'योद्धा' की उपाधि देकर सम्मानित किया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। नशा स्वस्थ समाज के लिए एक अभिशाप है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए समाज को पूरी तरह नशा-मुक्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को दृढ़ संकल्प लेना होगा, तभी हम सिरसा को पूर्ण रूप से नशा-मुक्त बना पाएंगे। उक्त विचार पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने सरस्वती सेवा समिति, रामलीला ग्राउंड, नेहरू पार्क, सिरसा में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचने पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को यह प्रण लेना होगा कि वह स्वयं नशा नहीं करेगा और न ही अपने आसपास के लोगों को नशा करने देगा। एसपी दीपक सहारण ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा खेलों में लगाएं तथा अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर अपने माता-पिता और क्षेत्र का नाम रोशन करें। नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में आमजन को आगे आकर अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए तथा अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि नशे को समाज से पूरी तरह समाप्त किया जा सके। जब समाज का प्रत्येक नागरिक अपनी गली, मोहल्ले और गांव की संपूर्ण जिम्मेदारी लेगा, तभी यह मुहिम पूरी तरह सफल होगी। सिरसा पुलिस की मुहिम से प्रभावित होकर नशा छोड़ चुके चार 'योद्धाओं' को पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि नशे की दलदल में फंसने के बाद उससे बाहर निकलना बेहद जटिल होता है, लेकिन इन योद्धाओं ने दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर नशे पर पूरी तरह काबू पाकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया है। ये योद्धा समाज के असली नायक हैं, जिन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज को प्रभावित करने वाली गंभीर चुनौती है। नशे की गिरफ्त में आया युवा न केवल अपना भविष्य बर्बाद करता है, बल्कि अपने परिवार और समाज के लिए भी पीड़ा का कारण बनता है। इन योद्धाओं ने नशा छोड़कर जीवन की नई शुरूआत की है। ये युवा समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और इनके अनुभव अन्य युवाओं को सही मार्ग दिखाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

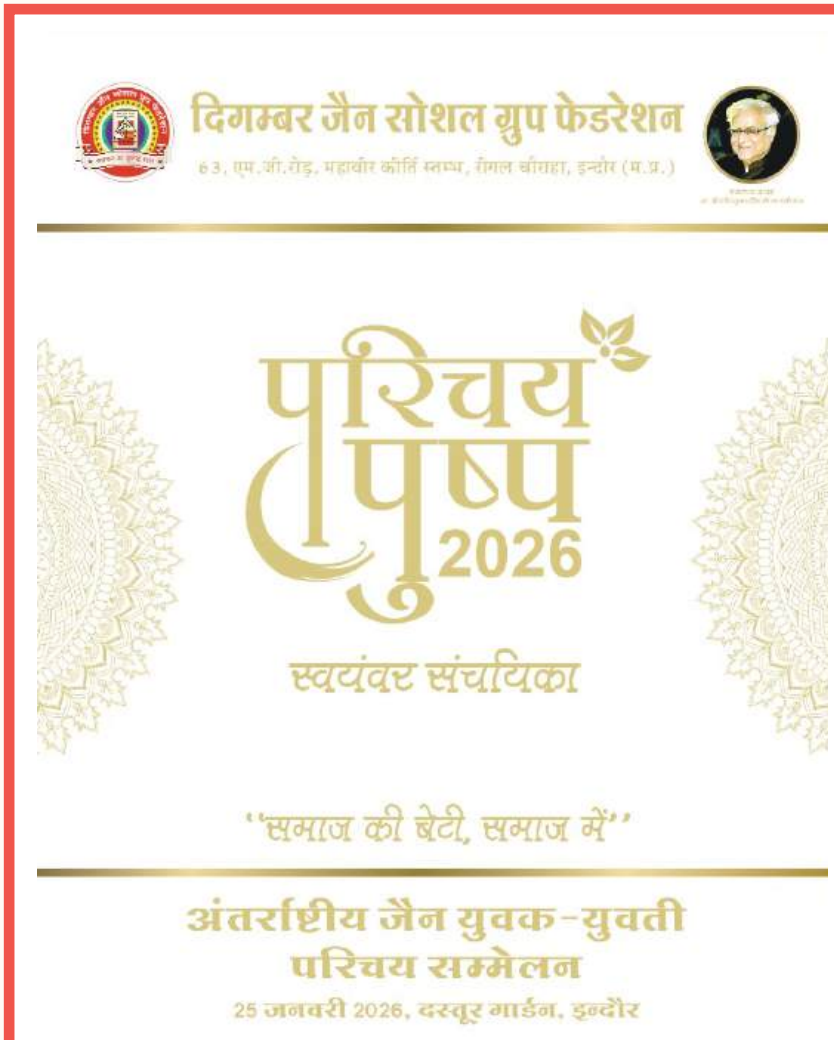

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का तृतीय अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन रविवार को

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा आयोजित तृतीय अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार, 25 जनवरी को दस्तूर गार्डन में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन 'दद्दू' ने दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में स्थानीय, बाहर के राज्यों एवं विदेशों से भी विवाह योग्य युवक-युवतियां भाग लेंगे। लगभग 1100 प्रत्याशियों के बायोडाटा के साथ सम्मेलन के प्रमुख संयोजक राकेश विनायका, कीर्ति पांड्या एवं प्रदीप गंगवाल के संपादकत्व में एक परिचय पुस्तिका 'परिणय पुष्प' का प्रकाशन किया गया है। इस पुस्तिका का विमोचन सम्मेलन में मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आर.के. जैन रनेका एवं अमित कासलीवाल द्वारा किया जाएगा। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी एवं परिचय सम्मेलन के प्रमुख संयोजक राकेश विनायका ने बताया कि फेडरेशन द्वारा आयोजित यह तृतीय अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन है। सम्मेलन का उद्घाटन प्रातः 9 बजे अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण, प्रभु प्रतिमा के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया जाएगा। सम्मेलन के आयोजन में संजय पापड़ीवाल, आशीष जैन सहित सभी संयोजक अपनी-अपनी समितियों के साथ सक्रिय सहभागिता निभाएंगे। बाहर से आने वाले प्रत्याशियों एवं उनके साथ आए परिजनों के ठहरने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा की गई है।

सुबोध पब्लिक स्कूल में सीपीआर ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों और स्टाफ को दी गई जीवनरक्षक तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट, सांगानेर, जयपुर में शुक्रवार, 22 जनवरी 2026 को जैन सीपीआर ट्रेनिंग सेंटर द्वारा सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रेससिटेशन) ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह ट्रेनिंग डॉ. वी. के. जैन, डायरेक्टर, केशर महावीर सेवा ट्रस्ट, सी-स्कीम, जयपुर के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मिस गुंजन पारिक एवं श्री महावीर प्रसाद द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ को सीपीआर तकनीक की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी जीवनरक्षक सहायता देने के लिए सभी को सक्षम बनाना था। कार्यक्रम के दौरान सीपीआर तकनीक का सैद्धांतिक ज्ञान देने के साथ-साथ प्रैक्टिकल डेमो एवं अभ्यास भी करवाया गया। विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए सीपीआर का अभ्यास किया और आपातकालीन स्थिति में इसके सही उपयोग की जानकारी प्राप्त की। ट्रेनिंग के उपरांत प्रतिभागियों ने इस जीवनरक्षक तकनीक की महत्ता को समझा और कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती शालिनी कपूर ने जैन सीपीआर ट्रेनिंग सेंटर से पधारे सभी सदस्यों का विद्यालय परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की।

सीबीईओ कार्यालय गढ़ी में जीवन रक्षक किट का वितरण

गढ़ी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा एवं शाखा गढ़ी परतापुर द्वारा शुक्रवार को सीबीईओ कार्यालय गढ़ी में जीवन रक्षक किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुमन द्विवेदी की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, गवर्निंग काउंसिल सदस्य सुरेश चंद्र गांधी, एसबीईओ किशन सिंह तराना, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सोमपुरा, शाखा के वीर सदस्य जगजी कटारा, साक्षरता प्रभारी भारत नायक, प्रशासनिक अधिकारी सोनल चौहान, वरिष्ठ सहायक सुमन डबगर एवं हेमलता जोशी उपस्थित रहे। गवर्निंग काउंसिल सदस्य सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि वर्तमान समय में हार्ट अटैक के मामलों में वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में यदि समय पर हार्ट अटैक की दवा उपलब्ध हो जाए तो व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना, घबराहट होना, अत्यधिक पसीना आना या बाईं ओर दर्द महसूस हो, तो यह हार्ट अटैक के लक्षण हो सकते हैं। ऐसी अवस्था में जीवन रक्षक किट में उपलब्ध गोली देने से अस्पताल पहुंचने तक रोगी को राहत मिल सकती है। इस अवसर पर इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल डूंगरपुर-बांसवाड़ा जोन द्वारा एक लाख जीवन रक्षक किट वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सीबीईओ श्रीमती सुमन द्विवेदी ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल द्वारा कार्यालय में जीवन रक्षक किट का वितरण अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल की ओर से उपस्थित सभी कार्मिकों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा संस्था की 50वीं गोल्डन जुबली विशेषांक 'महावीर प्रवाह' की प्रति भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन वीर जगजी कटारा ने किया। इस अवसर पर अकाउंटेंट अभिमन्यु जोशी एवं अकाउंटेंट लक्ष्मी ताबियार ने सहयोग प्रदान किया। आभार व्यक्त भरत लबाना द्वारा किया गया।

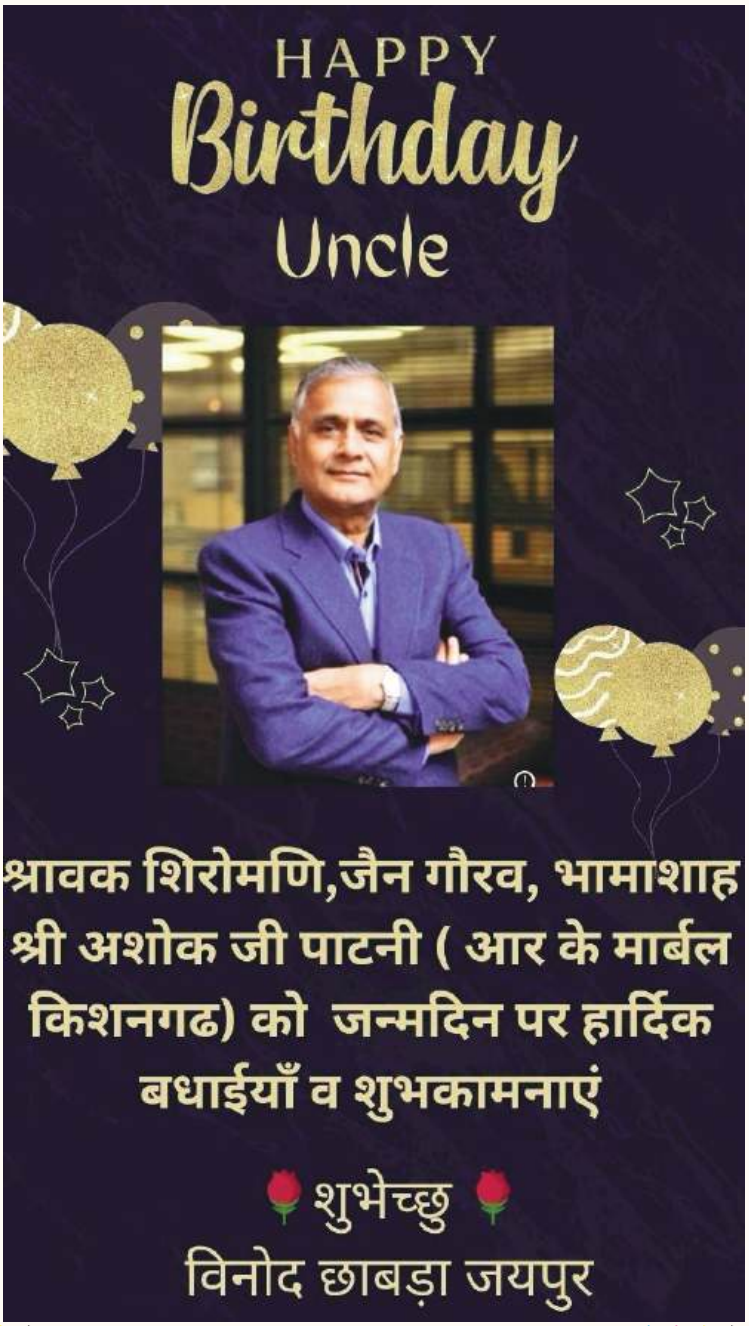

श्री 1008 नेमीनाथ भगवान

॥ श्री नेमीनाथाय नमः॥

श्री 1008 नेमीनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर

26 वाँ

स्थापना समारोह

शुक्रवार दिनांक 23 जनवरी, 2026

विधानाचार्य

जैन दर्शनाचार्य युवा विद्वान
पं. श्री प्रद्युम्नकुमार जी जैन 'शास्त्री'

सानन्द आमंत्रण

कार्यक्रम

प्रातः 7.00 बजे	नित्याभिषेक एवं शांतिधारा
प्रातः 7.15 बजे	दीप प्रज्ज्वलन
प्रातः 745 बजे	संगीतमय श्री नेमिनाथ मण्डल विधान
	मिष्ठान्न वितरण विधान उपरान्त
सायं 7.00 बजे	आरती

ध्वजारोहणकर्ता

श्री अश्विनी, मधु, अंशुल, पूर्वा, रोहन, सलोनी, रूचिर, अद्विक जैन

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्री विरेन्द्र, प्रेमलता, विनीत, मोनिका, विपिन, वन्दना, लब्धि, वंशिका, अदविक, आर्जव, गोधा किशनगढ वाला परिवार द्वारा

विधान पुण्यार्जक

श्री महावीर कुमार, शांति देवी, डॉ. लवलीश, डॉ. नीतू, डॉ. अकलीश, डॉ. अंशु, आर्यन अथर्व, अन्मय एवं परिवार

मिष्ठान वितरण पुण्यार्जक

श्रीमती संतोष देवी(धर्मपत्नी स्व. श्री अजय बाकलीवाल) अमित, नीलम, सुमित, निधि, आशीष, श्वेता, अतिन, विराज, किवान, नव्या,साध्या ,कियारा एवं बाकलीवाल परिवार

रोशनी एवं लाईट व्यवस्था पुण्यार्जक

श्री सुभाष जी गौरव जी अजमेरा
(पुखराज इलेक्ट्रिकल)

सभी धार्मिक बन्धु अपने इष्ट मित्रों एवं परिवार सहित सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक एवं आयोजक

अध्यक्ष
जे.के. जैन कालाडेरा

संरक्षकगण- श्री हंसराज गंगवाल, श्री गजराज गंगवाल(संरक्षक)

उपाध्यक्ष
अनिल जैन धुआंवाले

संयुक्त मंत्री
संजीव कासलीवाल

कोषाध्यक्ष
एन.के. जैन

मंत्री
प्रदीप निगोतिया

सदस्यगण - राजेश गंगवाल, पूनम तोलिया, वीरेन्द्र गोधा, राजेन्द्र सेठी, अशोक झांझरी, विकास पाटनी सुभाष अजमेरा, नीरज पहाड़िया, मंजु देवी सेठी, किरण जैन एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण

श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति, नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791